Anti Drug Cell

समिति गठन
वार्षिक गतिविधि रिपोर्ट
शैक्षणिक वर्ष: 2025–2026
संस्थान: राजकीय महाविद्यालय मुवानी, पिथौरागढ़

एंटी ड्रग समिति का संक्षिप्त परिचय

महाविद्यालय में संचालित एंटी ड्रग समिति का उद्देश्य विद्यार्थियों और समाज में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता फैलाना और इसके नकारात्मक प्रभावों से बचाव करना है। इस समिति का कार्य मादक पदार्थों के सेवन के खिलाफ अभियानों का संचालन, जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन, और छात्रों को सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करना है। समिति महाविद्यालय में सेमिनार, कार्यशालाएँ और जन जागरूकता अभियान आयोजित करती है, ताकि युवा वर्ग को नशे की लत से बचाया जा सके। यह समिति नशे से मुक्त और स्वस्थ समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके अलावा, यह समिति विद्यार्थियों को परामर्श और मानसिक स्वास्थ्य समर्थन भी प्रदान करती है, जिससे वे अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकें।

उद्देश्य

- ✓ **मादक पदार्थों के दुरुपयोग के प्रति जागरूकता फैलाना** – विद्यार्थियों में नशे के खतरों के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना और इसके नकारात्मक प्रभावों को समझाना।
- ✓ **स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना** – विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए प्रेरित करना।
- ✓ **नशा मुक्त वातावरण निर्माण** – महाविद्यालयों में एक नशा मुक्त वातावरण सुनिश्चित करना, ताकि छात्रों को नशे की लत से बचाया जा सके।
- ✓ **परामर्श और मार्गदर्शन प्रदान करना** – नशे की लत से जूझ रहे छात्रों को परामर्श और सहायता देना, ताकि वे अपने जीवन को सही दिशा में आगे बढ़ा सकें।
- ✓ **समाज में सकारात्मक बदलाव लाना** – छात्रों को नशे के प्रभावों से बचाकर समाज में सकारात्मक और स्वस्थ परिवर्तन लाना।

- ✓ **सामाजिक अभियानों का संचालन** – जागरूकता अभियानों, सेमिनारों, कार्यशालाओं के माध्यम से समाज में नशे के खिलाफ आंदोलन चलाना और इससे होने वाले नुकसान पर प्रकाश डालना।
- ✓ **मनोरंजन और गतिविधियों के माध्यम से नशे से बचाव** – विद्यार्थियों को नशे से दूर रखने के लिए खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य रचनात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देना।

समिति के उत्तरदायित्व

- ➢ **जागरूकता अभियानों का आयोजन** – समिति का मुख्य उत्तरदायित्व महाविद्यालय में नियमित रूप से नशे के दुरुपयोग के खिलाफ जागरूकता अभियानों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करना है, ताकि विद्यार्थियों को इसके खतरों के बारे में जानकारी मिल सके।
- ➢ **मदद और परामर्श प्रदान करना** – समिति का एक महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व नशे के आदी छात्रों को सहायता और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान करना है, जिससे वे नशे की लत से बाहर आ सकें।
- ➢ **नशे से बचने के उपायों का प्रचार** – समिति नशे से बचने के प्रभावी उपायों का प्रचार करती है, जैसे स्वास्थ्यवर्धक आदतों को अपनाना, नियमित खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेना, और सकारात्मक मानसिकता का निर्माण करना।
- ➢ **नशा मुक्त वातावरण का निर्माण** – समिति महाविद्यालयों में नशा मुक्त वातावरण बनाए रखने का उत्तरदायित्व निभाती है, ताकि छात्र बिना किसी दबाव के अपने शैक्षणिक और सामाजिक जीवन को सृजनात्मक रूप से जी सकें।
- ➢ **नशे के बारे में डेटा संग्रह और विश्लेषण** – समिति नशे के प्रयोग और इसके प्रभावों पर डेटा संग्रह करती है और उसके आधार पर नीतियों और योजनाओं को सुधारने के लिए सिफारिशें देती है।
- ➢ **समुदाय और संस्थान के साथ मिलकर कार्य करना** – समिति स्थानीय समुदाय, पुलिस और अन्य संस्थानों के साथ मिलकर नशे से बचाव और जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्य करती है। यह सामूहिक प्रयास नशे के दुरुपयोग के खिलाफ एक मजबूत और समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है।

एंटी ड्रग समिति का गठन
गठन तिथि: 25 अगस्त 2025-26

क्रम सं०	नोडल अधिकारी का नाम	मोबाइल नम्बर
1.	डॉ० रूपेश कुमार	9756774213

क्रम सं०	एंटी ड्रग सेल समिति के सदस्य के नाम	पदनाम	मोबाइल नम्बर
1.	श्री राजकमल किशोर, सदस्य	असि०प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान	9690407741
2.	डॉ संजीव कुमार, सदस्य	असि०प्रोफेसर, अंग्रेजी	9458155289
3.	डॉ सुधीर कुमार, सदस्य	असि०प्रोफेसर, समाजशास्त्र	9897983642
4.	डॉ नीमा जोशी, सदस्य	अतिथि शिक्षिका, संस्कृत	7533985307
5.	श्रीमती भावना, सदस्य	अतिथि शिक्षिका, अर्थशास्त्र	9759554942
6.	डॉ त्रिभुवन जोशी	प्रधान चिकित्सक राजकीय , चिकित्सालय, दिगडा मुवानी	9568296747
7.	श्री अमर जीत राम	अध्यक्ष व्यापार मण्डल, मुवानी	9756876974
8.	श्री संजय भट्ट	स्थानीय पत्रकार मुवानी ,	7252829088
9.	राहुल प्रसाद	विद्यार्थी	8393968251
10.	भरत गंगवार	विद्यार्थी	7351898251
11.	कमल कुमार	विद्यार्थी	9568306251
12.	मीनाक्षी	विद्यार्थी	7458260388
13.	गौरव लापड़	विद्यार्थी	9105686974
14.	कमलेश कुमार	विद्यार्थी	7351358542
15.	वर्तिका पंत	विद्यार्थी	9027958531
16.	विनय चौहान	विद्यार्थी	7895653621
17.	मोनिका चौसाली	विद्यार्थी	9917282894
18.	गीता	विद्यार्थी	7668843861
19.	गौरव कार्की	विद्यार्थी	9760025824
20.	बिनीता	विद्यार्थी	8945872818
21.	रवि सामंत	विद्यार्थी	7830547061
22.	उर्मिला जोशी	विद्यार्थी	9639234388
23.	प्रिया ठगुराठी	विद्यार्थी	8393942124

24.	कपिल कुमार	विद्यार्थी	7900331470
25.	बानी चन्द	विद्यार्थी	8191083704

समिति को सर्वसम्मति से समावेशी और लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए गठित किया गया।

प्रतिहस्ताक्षरित

प्रो०, डॉ०गिरीश चन्द्र पन्त
प्राचार्य एवं संरक्षक
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
(पिथौरागढ़)

डॉ० रुपेश कुमार
नोडल अधिकारी, एंटी ड्रग समिति
एवं
विभागाध्यक्ष, हिन्दी विभाग
राजकीय महाविद्यालय मुवानी
(पिथौरागढ़)

समिति द्वारा आयोजित गतिविधियों का विवरण
शैक्षणिक वर्ष: 2025–2026

गतिविधि 1: मैराथन प्रतियोगिता
मुख्य शीर्षक: "नशा मुक्त उत्तराखण्ड, हमारा संकल्प"

- **संयोजक:** डॉ० रुपेश कुमार
- **सह-संयोजक:** श्री राजकमल किशोर, क्रीड़ा प्रभारी
- दिनांक: 03 नवम्बर 2025
- प्रकृति: शैक्षणिक, और जन-जागरूकता
- स्थान: महाविद्यालय एवं मुंगरौली मार्ग
- प्रतिभागी संख्या: 28 (विविध) कुल 82 विद्यार्थी

उद्देश्य:
- ❖ विद्यार्थियों एवं समाज में नशा मुक्त जीवन शैली के प्रति जागरूकता विकसित करना।
- ❖ शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाते हुए खेलों के प्रति रुचि को बढ़ावा देना।
- ❖ युवाओं को नशे से दूर रखकर सकारात्मक ऊर्जा को खेल गतिविधियों की ओर प्रेरित करना।
- ❖ पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में समान सहभागिता और आत्मविश्वास का विकास करना।
- ❖ अनुशासन, सहनशीलता एवं टीम भावना जैसे जीवन मूल्यों का संवर्धन करना।
- ❖ महाविद्यालय एवं समाज में स्वस्थ, सक्रिय और नशा मुक्त वातावरण का निर्माण।

संक्षिप्त विवरण:
महाविद्यालय की एंटी ड्रग समिति तथा क्रीड़ा विभाग के संयुक्त तत्वाधान में पुरुष एवं महिला वर्ग की मैराथन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाना तथा स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देना था। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और नशा मुक्त समाज का संदेश दिया। मैराथन के माध्यम से शारीरिक सुदृढ़ता, मानसिक संतुलन एवं अनुशासन का महत्व रेखांकित किया गया। यह आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखते हुए खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करने में सफल रहा तथा महाविद्यालय परिसर में जागरूकता का प्रभावी वातावरण बना।

परिणाम:

- ✓ विद्यार्थियों में नशा मुक्ति के प्रति जागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।
- ✓ पुरुष एवं महिला प्रतिभागियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा एवं खेल भावना का विकास हुआ।
- ✓ छात्रों को नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की प्रेरणा मिली।
- ✓ युवाओं की सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास में वृद्धि देखने को मिली।
- ✓ महाविद्यालय परिसर में नशा मुक्त एवं अनुशासित वातावरण का सृजन हुआ।
- ✓ एंटी ड्रग समिति एवं क्रीड़ा विभाग के संयुक्त प्रयासों से सामाजिक सहभागिता और संगठनात्मक समन्वय मजबूत हुआ।

विभाग

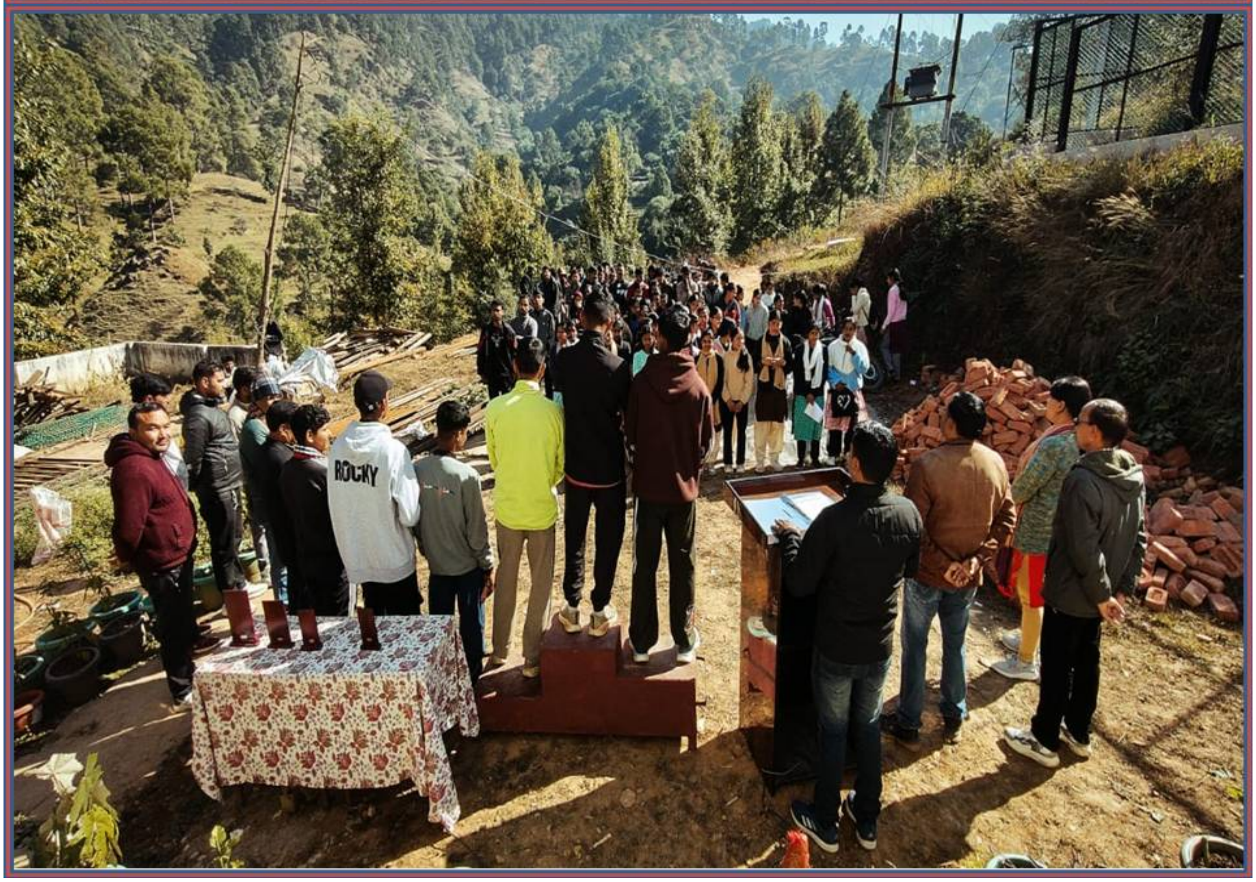
ROCKY

गतिविधि 2: महाविद्यालय स्तरीय प्रश्नमंजूषा प्रतियोगिता
मुख्य शीर्षक: “नशा मुक्त भारत अभियान”

- दिनांक: 15 नवम्बर – 18 नवम्बर 2025
- प्रकृति: शैक्षणिक / साहित्यिक एवं जागरूकता
- सह-आयोजक: कोई नहीं
- स्थान: महाविद्यालय एवं हिन्दी विभाग
- प्रतिभागी संख्या: 71 (विविध स्तरीय)

उद्देश्य:

- ❖ विद्यार्थियों में नशीले पदार्थों के प्रकार, प्रभाव एवं उनसे जुड़ी सामाजिक-स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति ज्ञानवर्धन करना।
- ❖ नशा सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं नैतिक दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता विकसित करना।
- ❖ युवाओं में तार्किक सोच, त्वरित निर्णय क्षमता और बौद्धिक सक्रियता को प्रोत्साहित करना।
- ❖ नशा मुक्त जीवनशैली को अपनाने हेतु विद्यार्थियों में सकारात्मक दृष्टिकोण एवं आत्मसंयम की भावना विकसित करना।
- ❖ नशा उन्मूलन को एक सामूहिक सामाजिक दायित्व के रूप में स्थापित करते हुए छात्रों को अभियान का सक्रिय सहभागी

संक्षिप्त विवरण:

महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता विद्यार्थियों में जागरूकता एवं बौद्धिक चेतना जागृत करने का प्रभावशाली माध्यम बनी। प्रतियोगिता में नशीले पदार्थों के प्रकार, उनके दुष्परिणाम, कानूनी प्रावधान तथा नशा उन्मूलन से जुड़े सामाजिक पहलुओं पर आधारित कुल 20 प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपनी तर्कशक्ति, सजगता और विषयगत समझ का परिचय दिया। इस प्रतियोगिता ने न केवल ज्ञानवर्धन किया, बल्कि युवाओं को नशा मुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित भी किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को जागरूक, जिम्मेदार और स्वस्थ नागरिक के रूप में विकसित करना रहा।

परिणाम:

- ✓ विद्यार्थियों में नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति व्यावहारिक एवं तथ्यात्मक समझ विकसित हुई।
- ✓ नशा मुक्त जीवनशैली अपनाने के प्रति छात्रों में सकारात्मक सोच और आत्म-जागरूकता बढ़ी।
- ✓ प्रतिभागियों की तार्किक क्षमता, त्वरित प्रतिक्रिया और बौद्धिक सक्रियता में वृद्धि हुई।
- ✓ नशा उन्मूलन को लेकर विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना सुदृढ़ हुई।
- ✓ महाविद्यालय में नशा विरोधी वातावरण के निर्माण तथा निरंतर जागरूकता कार्यक्रमों के लिए प्रेरक आधार तैयार हुआ।

एन्टी ड्रग समिति द्वारा आयोजित 'प्रश्नमंजूषा प्रतियोगिता' में प्रतिभागियों हेतु निर्धारित Online आवेदन फॉर्म

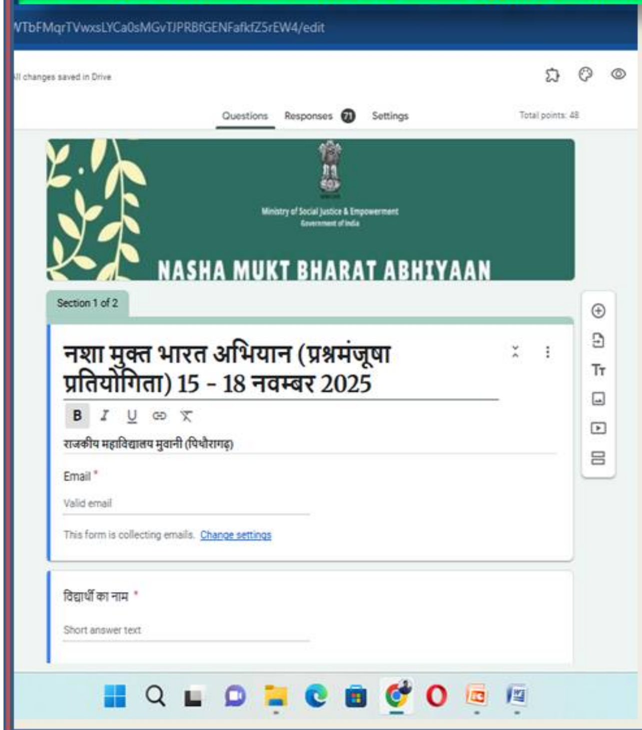

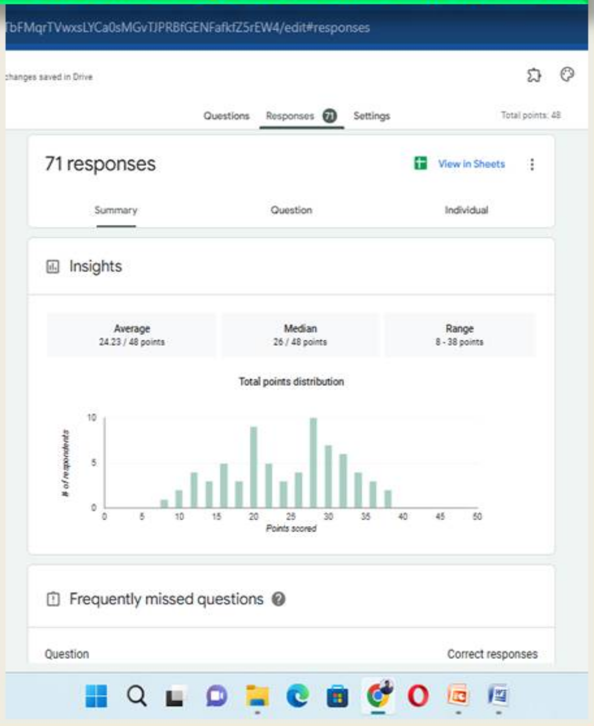

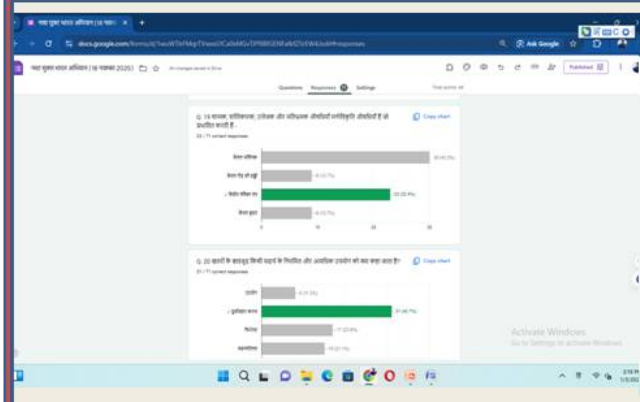

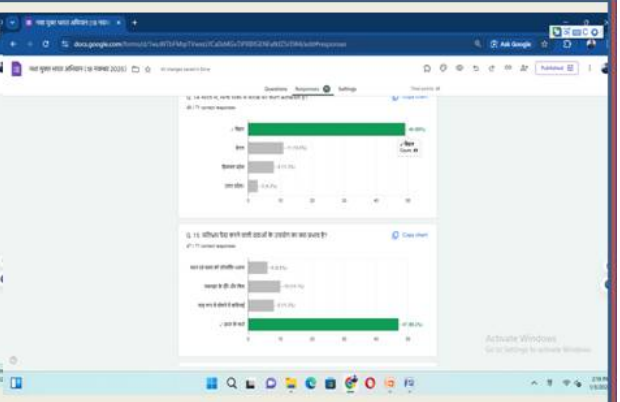

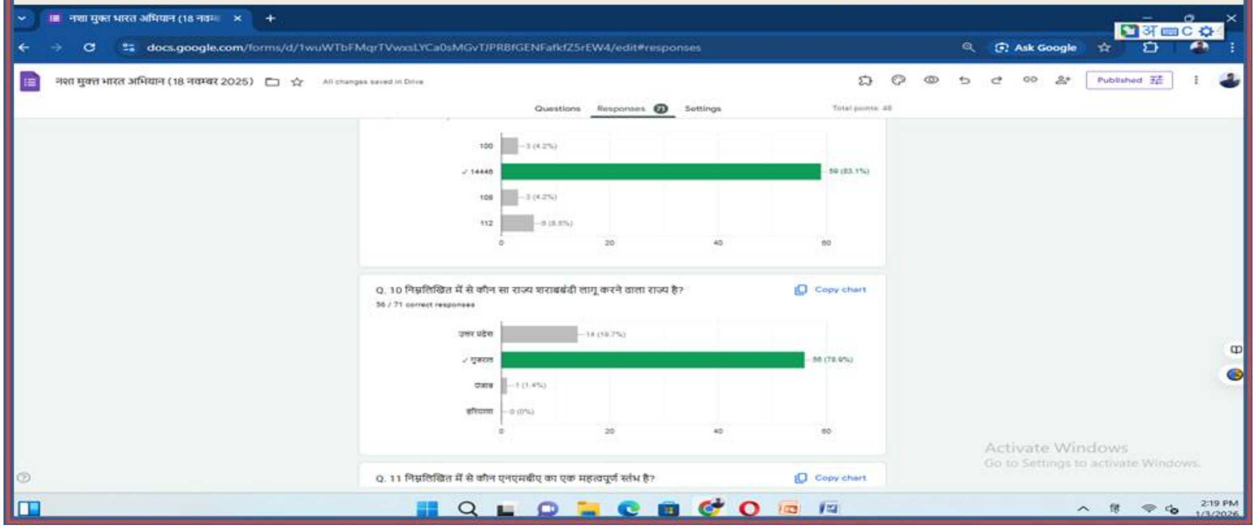

गतिविधि 3: महाविद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता
मुख्य शीर्षक: "स्वस्थ्य भारत, नशा मुक्त भारत"

- **संयोजक:** डॉ० रुपेश कुमार
- दिनांक: 18 नवम्बर 2025
- प्रकृति: शैक्षणिक, साहित्यिक और जन-जागरूकता
- स्थान: महाविद्यालय
- प्रतिभागी संख्या: 69 (विविध)

उद्देश्य:

- ❖ विद्यार्थियों में स्वस्थ भारत–नशा मुक्त भारत की संकल्पना के प्रति जागरूकता विकसित करना।
- ❖ नशीले पदार्थों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी सृजनात्मक माध्यम से देना।
- ❖ चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति एवं अभिव्यक्ति क्षमता को प्रोत्साहित करना।
- ❖ युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना।
- ❖ समाज में नशा मुक्ति का सकारात्मक संदेश प्रसारित कर जन-जागरूकता को सुदृढ़ बनाना।
- ❖ महाविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता द्वारा नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाना।

संक्षिप्त विवरण:

महाविद्यालय में स्वस्थ भारत–नशा मुक्त भारत मुख्य विषय पर महाविद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 109 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था। विद्यार्थियों ने अपने चार्टों पर बनाई चित्रकला के माध्यम से नशा मुक्त समाज, स्वस्थ शरीर, सकारात्मक सोच और उज्ज्वल भविष्य का सशक्त संदेश प्रस्तुत किया। रंगों, चित्रों और प्रभावशाली नारों के माध्यम से प्रतियोगिता अत्यंत जागरूकतापूर्ण एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

परिणाम:

- ✓ विद्यार्थियों में नशा मुक्त जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ।

- ✓ स्वास्थ्य एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई।
- ✓ प्रतिभागियों की रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन हुआ।
- ✓ नशे के दुष्परिणामों का संदेश महाविद्यालय परिसर में व्यापक रूप से प्रसारित हुआ।
- ✓ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं सामाजिक सरोकार की भावना प्रबल हुई।
- ✓ महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान को नई ऊर्जा एवं गति प्राप्त हुई।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 'चार्ट प्रतियोगिता' में प्रतिभाग करते छात्र-छात्राएं के साथ प्राचार्य एवं महाविद्यालय परिवार

अमर उजाला

19 नवम्बर 2025

विद्यार्थियों को दी नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी

मुवानी (पिथौरागढ़)। राजकीय महाविद्यालय मुवानी में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देते हुए उससे दूर रहने का आह्वान किया गया।

ऑन लाइन क्विज प्रतियोगिता में दिनेश जोशी पहले, मीनाक्षी उपाध्याय दूसरे और रितेश कुमार तीसरे स्थान पर रहे। विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। संचालन एंटी ड्रग नोडल अधिकारी डॉ. रूपेश कुमार ने ककिया। प्राचार्य डॉ. गिरीश चंद्र पंत ने कहा कि युवा पीढ़ी राष्ट्र की धरोहर है।

उन्हें नशे से मुक्त, सकारात्मक एवं उत्पादक जीवन अपनाना चाहिए। यहां राजकमल किशोर, डॉ. नीमा जोशी, भावना, लछम सिंह मेहता, जीवन सिंह बोरा, वीरेंद्र सिंह, अंशुल स्वरूप टम्टा, धर्मेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे। संवाद

गणाई गंगोली में निकाली रैली

गणाईगंगोली। राजकीय महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत रैली आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभाव के विरुद्ध जनता को जागरूक किया। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य डॉ. दीप्ति बिष्ट, डॉ. नवीन चंद्र, डॉ. गणेश चंद, नशा मुक्त कमेटी की नोडल अधिकारी शीतल आर्या, डॉ. दीपक कुमार कोठारी, डॉ. पूनम मियान, डॉ. कल्पना जोशी आदि मौजूद रहे। संवाद

पोस्टर प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थी और प्राध्यापक। संवाद

गतिविधि 4: जागरूकता अभियान
मुख्य शीर्षक: “नशा मुक्त उत्तराखण्ड”

- **संयोजक:** डॉ० रुपेश कुमार
- दिनांक: 24 दिसम्बर 2025
- प्रकृति: शैक्षणिक और जन-जागरूकता
- सह-आयोजक: कोई नहीं
- स्थान: महाविद्यालय सभागार
- प्रतिभागी संख्या: 56 (विविध)

उद्देश्य:

❖ स्वस्थ, सकारात्मक एवं संस्कारयुक्त जीवन-शैली को बढ़ावा देना।
❖ ड्रग फ्री देवभूमि अभियान में नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित करना।
❖ क्षेत्र को नशा-मुक्त बनाने हेतु आम जनमानस में जागरूकता फैलाना।
❖ युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना।
❖ समाज में नशे के प्रति नकारात्मक मानसिकता विकसित करना।
❖ नशा तस्करी व अवैध बिक्री के विरुद्ध सामूहिक चेतना को सशक्त करना।

संक्षिप्त विवरण:

ड्रग फ्री देवभूमि कार्यक्रम के अन्तर्गत जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया, नशीले पदार्थों के चलन को महाविद्यालय अथवा स्थानीय क्षेत्रों ने प्रतिबन्धित करने के उद्देश्य से आयोजित इस जागरूकता अभियान में स्थानीय नागरिकों ने भी भाग लिया। जागरूकता अभियान के दौरान नशे के दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक किया गया और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही नशे की तस्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता को भी प्रमुखता से उजागर किया गया। यह जागरूकता अभियान उत्तराखंड को एक स्वच्छ, नशामुक्त - दिशा में एक महत्व और समृद्ध समाज बनाने कीपूर्ण कदम साबित हुई।

परिणाम:

- ✓ जागरूकता में वृद्धि: जागरूकता अभियान के माध्यम से समाज में नशे के दुष्प्रभावों को लेकर जागरूकता बढ़ी और लोगों में नशा छोड़ने की प्रवृत्ति उत्पन्न हुई।
- ✓ युवाओं की सक्रिय भागीदारी: विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों में नशे के खिलाफ सकारात्मक मानसिकता और सक्रिय भागीदारी का माहौल बना।
- ✓ नशा तस्करी पर दबाव: जागरूकता अभियान ने नशा तस्करी और अवैध व्यापार के खिलाफ जन जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सरकारी एवं समाजिक संस्थाओं पर दबाव डाला।
- ✓ स्वस्थ जीवन की ओर प्रवृत्त: जागरूकता अभियान ने लोगों को स्वस्थ जीवन शैली की ओर प्रेरित किया और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरणा दी।
- ✓ सामाजिक सहयोग में वृद्धि: जागरूकता अभियान ने समाज में नशा-मुक्त समाज की दिशा में सामूहिक सहयोग और एकजुटता को बढ़ावा दिया।
- ✓ स्थानीय प्रशासन की सक्रियता: जागरूकता अभियान के बाद स्थानीय प्रशासन ने नशे की रोकथाम के लिए और भी प्रभावी कदम उठाने का संकल्प लिया।

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 'जागरूकता कार्यक्रम' में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के साथ थाना – थल के सुरक्षा अधिकारी एवं महाविद्यालय परिवार

नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत आयोजित 'जागरूकता कार्यक्रम' में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने थाना – थल के सुरक्षा अधिकारी को लिखित रूप में दिये अपने महत्वपूर्ण विचार, नशे की रोकथाम को मिलेगा नवीन आयाम

मुवानी महाविद्यालय में साइबर सुरक्षा एवं नशा उन्मूलन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रूद्र टाइम्स

पिथौरागढ़। राजकीय महाविद्यालय मुवानी में मंगलवार को पुलिस विभाग थानादृथल, पिथौरागढ़ द्वारा साइबर सुरक्षा एवं नशा उन्मूलन विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर ठगी, ऑनलाइन अपराधों तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सजग एवं जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में थानादृथल से अपर उप निरीक्षक दिनेश शर्मा, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार एवं कांस्टेबल जगदीश मारकून उपस्थित रहे। पुलिस अधि ाकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर अपराध ाों के विभिन्न स्वरूपों जैसे ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपीधलिंक शेयर करने के खतरे की जानकारी दी तथा उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही नशा उन्मूलन के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के एंटी ड्रग नोडल अधिकारी डॉ. रुपेश कुमार ने नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों पर व्याख्यान देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार, डॉ. सुधीर कुमार तथा राजकमल किशोर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नशा युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और भविष्य को नष्ट करता हैय अतः समाज, परिवार और शिक्षण संस्थानों को मिलकर नशा उन्मूलन के लिए सतत प्रयास करने होंगे। जागरूकता ही नशा मुक्त समाज की पहली सीढ़ी है।

कार्यक्रम में डॉ. नीमा जोशी, भावना, लछम सिंह मेहता, वीरेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, हुकुम सिंह सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी एवं दिव्या, रश्मि, नेहा, मनीष मेहता, मनीषा चंद्र, दिनेश जोशी, प्रिया, रानी, उमा, उर्मिला जोशी, अंजलि, साक्षी भारती, लक्ष्मी जोशी, यशवंत टम्टा, बनी चंद्र, यामिनी, दिया भंडारी, कमल सिंह, गौरव कुमार, सौरभ सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने तथा नशा मुक्त जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

(थाना थल ने महाविद्यालय मुवानी में साइबर सुरक्षा एवं नशा उन्मूलन पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित)

थल(पिथौरागढ़) राजकीय महाविद्यालय मुवानी में थानाङ्कथल, पिथौरागढ़ द्वारा साइबर सुरक्षा एवं नशा उन्मूलन विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर ठगी, ऑनलाइन अपराधों तथा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति सजग एवं जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम में थानाङ्कथल से अपर उप निरीक्षक दिनेश शर्मा, हेड कांस्टेबल राजेश कुमार एवं कांस्टेबल जगदीश मारकून उपस्थित रहे। पुलिस अधिकारियों ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के विभिन्न स्वरूपों जैसे ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी/लिंक शेयर करने के खतरे की जानकारी दी तथा उनसे बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। साथ ही नशा उन्मूलन के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने की शपथ भी दिलाई गई।कार्यक्रम में महाविद्यालय के एंटी ड्रग नोडल अधिकारी डॉ. रुपेश कुमार ने नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों पर व्याख्यान देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर डॉ. संजीव कुमार, डॉ. सुधीर कुमार तथा श्री राजकमल किशोर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि नशा युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और भविष्य को नष्ट करता है; अतः समाज, परिवार और शिक्षण संस्थानों को मिलकर नशा उन्मूलन के लिए सतत प्रयास करने होंगे। जागरूकता ही नशा मुक्त समाज की पहली सीढ़ी है।कार्यक्रम में डॉ. नीमा जोशी, श्रीमती भावना, श्री लछ्म सिंह मेहता, वीरेंद्र सिंह, धर्मेंद्र सिंह, हुकुम सिंह सहित महाविद्यालय के अनेक शिक्षक, कर्मचारी एवं दिव्या, रश्मि, नेहा, मनीष मेहता, मनीषा चंद्र, दिनेश जोशी, प्रिया, रानी, उमा, उर्मिला जोशी, अंजलि, साक्षी भारती, लक्ष्मी जोशी, यशवंत टम्टा, बनी चंद्र, यामिनी, दिया भंडारी, कमल सिंह, गौरव कुमार, सौरभ सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने तथा नशा मुक्त जीवन अपनाने का संकल्प लिया।

गतिविधि 3: महाविद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता
मुख्य शीर्षक: "स्वस्थ्य भारत, नशा मुक्त भारत"

- **संयोजक:** डॉ० रुपेश कुमार
- दिनांक: 18 फरवरी 2026
- प्रकृति: शैक्षणिक, साहित्यिक और जन-जागरूकता
- स्थान: महाविद्यालय
- प्रतिभागी संख्या: 69 (विविध)

उद्देश्य:

❖ विद्यार्थियों में स्वस्थ भारत–नशा मुक्त भारत की संकल्पना के प्रति जागरूकता विकसित करना।

❖ नशीले पदार्थों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी सृजनात्मक माध्यम से देना।

❖ चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कल्पनाशक्ति एवं अभिव्यक्ति क्षमता को प्रोत्साहित करना।

❖ युवाओं को नशे से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना।

❖ समाज में नशा मुक्ति का सकारात्मक संदेश प्रसारित कर जन-जागरूकता को सुदृढ़ बनाना।

❖ महाविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता द्वारा नशा मुक्ति अभियान को प्रभावी बनाना।

संक्षिप्त विवरण:

महाविद्यालय में स्वस्थ भारत–नशा मुक्त भारत मुख्य विषय पर महाविद्यालय स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 109 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था। विद्यार्थियों ने अपने चार्टों पर बनाई चित्रकला के माध्यम से नशा मुक्त समाज, स्वस्थ शरीर, सकारात्मक सोच और उज्ज्वल भविष्य का सशक्त संदेश प्रस्तुत किया। रंगों, चित्रों और प्रभावशाली नारों के माध्यम से प्रतियोगिता अत्यंत जागरूकतापूर्ण एवं प्रेरणादायक सिद्ध हुई।

परिणाम:

✓ विद्यार्थियों में नशा मुक्त जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित हुआ।

- ✓ स्वास्थ्य एवं सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई।
- ✓ प्रतिभागियों की रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन हुआ।
- ✓ नशे के दुष्परिणामों का संदेश महाविद्यालय परिसर में व्यापक रूप से प्रसारित हुआ।
- ✓ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास एवं सामाजिक सरोकार की भावना प्रबल हुई।
- ✓ महाविद्यालय में नशा मुक्त भारत अभियान को नई ऊर्जा एवं गति प्राप्त हुई।

एंटी ड्रग समिति द्वारा नशा मुक्त उत्तराखण्ड अभियान के अंतर्गत आयोजित ‘चत्रकला प्रतियोगिता’ में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के साथ प्राचार्य एवं प्राध्यापक

एंटी ड्रग समिति द्वारा नशा मुक्त उत्तराखण्ड अभियान के अंतर्गत आयोजित ‘चत्रकला प्रतियोगिता’ में प्रतिभागी छात्र-छात्राओं के साथ प्राचार्य एवं प्राध्यापक